सांध्य दैनिक 4PM

सफल लोग हमेशा दूसरों की मदद करने के अवसर खोजते रहते हैं। असफल लोग हमेशा पूछते रहते हैं कि, इसमें मेरे लिए क्या है?

-ब्रायन ट्रेसी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 12 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 13 फरवरी, 2026

टी-20 विश्वकप में भारत की लगातार... 7 | पंजाब विस चुनाव से पहले नया... 3 | अमेरिकी डील पैदावार-उत्पादन... 2

बंगलादेश के रहमान बने तारिक

ढाका का फैसला भारत के लिए नई परीक्षा

» तारिक रहमान की वापसी से बदला बंग्लादेश का सियासी नक्शा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बंग्लादेश की जनता ने फैसला सुना दिया है। वर्षों से विपक्षी भूमिका निभा रही बीएनपी को जनता ने चुन लिया है। खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान बंग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। बंग्लादेश की जनता का यह फैसला सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं हैं बल्कि दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है।

बांग्लादेश के आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने 200 से अधिक सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। लंबे समय से विपक्ष में रही पार्टी अब सत्ता के दरवाज़े पर दस्तक दे चुकी है और इस जीत का चेहरा बने हैं तारिक रहमान वही नेता जिन्हें कभी निर्वासन, मुकदमों और राजनीतिक अनिश्चितता का प्रतीक माना जाता था। यह चुनाव सिर्फ सीटों का गणित नहीं था यह सत्ता बनाम असंतोष की लड़ाई बन चुका था। विकास बनाम लोकतांत्रिक स्वतंत्रता और भारत निकट नीति बनाम राष्ट्रवादी पुनर्संतुलन की लड़ाई भी था। मतदाताओं ने जिस तरह से बदलाव की ओर झुकाव दिखाया है उसने पूरे क्षेत्र की कूटनीतिक दिशा पर असर डाला है।

तारिक रहमान कौन हैं और उनका उदय क्यों अहम है?

तारिक रहमान पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी के कार्यकारी चेयरमैन है। वह लंबे समय तक लंदन में निर्वासन में रहे। भ्रष्टाचार के मामलों और राजनीतिक मुकदमों के बीच उनका करियर ठहर सा गया था। लेकिन हाल के वर्षों में उन्होंने पार्टी संगठन को पुनर्जीवित किया युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया और सरकार विरोधी असंतोष को संगठित रूप दिया। इस चुनाव में उनका अभियान राष्ट्रीय गरिमा और संस्थागत संतुलन के मुद्दों पर केंद्रित रहा। उन्होंने अवामी लीग के केंद्रीकृत शासन माडल के खिलाफ लोकतांत्रिक स्पेस, प्रेस स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव की मांग को राजनीतिक एजेंडा बना कर चुनाव लड़ा और यही नैरेटिव जनता के एक बड़े वर्ग में गूंजता दिखा।

भारत के लिए क्या मायने?

बंग्लादेश से आये चुनावी नतीजों से कहानी दिलचस्प और जटिल हो जाती है। शेख हसीना के दौर में भारत-बांग्लादेश संबंध अभूतपूर्व रूप से मजबूत हुए थे। सीमा प्रबंधन, कनेक्टिविटी, सुरक्षा सहयोग और आर्थिक साझेदारी में नई ऊंचाइयां देखी गयी। अब सवाल है क्या तारिक रहमान के नेतृत्व में ढाका नई दिल्ली से दूरी बनाएगा? बीएनपी का ऐतिहासिक रुख अपेक्षाकृत अधिक राष्ट्रवादी और चीन ओरिएंटेड माना जाता रहा है। हालांकि चुनावी भाषणों में तारिक ने भारत-विरोधी तीखा रुख नहीं अपनाया लेकिन संतुलित विदेश नीति की बात जरूर की। इसका मतलब यह हो सकता है कि ढाका बीजिंग, वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रणनीतिक संतुलन साधने की कोशिश करे। भारत के लिए यह कूटनीतिक परीक्षा का क्षण है और बड़ा सवाल जिसका उत्तर मिलना बाकी है कि क्या वह बीएनपी सरकार के साथ उसी सहजता से तालमेल बैठा पाएगा जैसा अवामी लीग के साथ था?

पीएम मोदी ने दी बधाई

पीएम मोदी ने बांग्लादेश के संसदीय चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने पर बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह जीत बांग्लादेश की जनता के उनके नेतृत्व पर भरोसे को दर्शाती है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि बांग्लादेश में पार्लियामेंट्री चुनावों में बीएनपी को बड़ी जीत दिलाने के लिए मैं तारिक रहमान को दिल से बधाई देता हूं। यह जीत बांग्लादेश के लोगों का आपके लीडरशिप पर भरोसा दिखाती है। भारत एक डेमोक्रेटिक, प्रोग्रेसिव और सबको साथ लेकर चलने वाले बांग्लादेश के सपोर्ट में खड़ा रहेगा। पीएम मोदी ने पोस्ट में आगे लिखा है कि मैं हमारे कई तरह के रिश्तों को मजबूत करने और हमारे कॉमन डेवलपमेंट गोल्स को आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ काम करने का इंतजार कर रहा हूं।

हिंदुओं पर अत्याचार बंद हों

भाजपा नेता आरपी सिंह ने बांग्लादेश के संसदीय चुनाव को लेकर कहा है कि वहां की अगली सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिंदुओं पर अत्याचार न हो। भाजपा नेता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुए हैं। जो भी सरकार सत्ता में आएगी वह यह पक्का करेगी कि हिंदुओं पर अत्याचार जारी न रहें। एनसीपी नेता आनंद परांजपे ने कहा है कि बांग्लादेश में डेमोक्रेसी वापस आना भारत के नजरिए से भी जरूरी है।

एनसीपी नेता आनंद परांजपे के मुताबिक सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हमारे पड़ोसी देश में लोकतंत्र बहाल हो। आज बांग्लादेश में लोकतांत्रिक सरकार के लिए चुनाव हो रहे हैं जो एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि यह भी ध्यान देने योग्य है कि वहां अल्पसंख्यक हिंदू लगातार हमलों का सामना कर रहे हैं। केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। फिर भी बांग्लादेश में लोकतंत्र की वापसी भारत के हित में भी है।

अमेरिकी डील पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोजगार के खिलाफ : अखिलेश

बोले सपा प्रमुख- खुदगर्ज भाजपाई उसी डाल को काट रहे जिस पर बैठे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा व मोदी सरकार पर हमला जारी है। यपा मुखिया ने एक वीडियो एक्स अकाउंट पर शेयर किया। उसके साथ लिखा- ये 'डील' वो 'डाल' है, जिसको उस पर बैठनेवाला ही काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ खेती-मजदूरी ही नहीं बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोजगार के खिलाफ है। ये 'डील' वो 'डाल' है, जिसको उस पर बैठनेवाला ही काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ़ ख़ेती-मज़दूरी ही नहीं बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोज़गार के खिलाफ़ है।

ये वो अदृश्य जंजीर है जो पैसे के लालच में डूबे बिचौलियों की मानसिकतावाले खुदगर्ज भाजपाइयों को दिख नहीं रही है। जिन्होंने पहले हमारे लोगों को साक्षात जंजीर में बांधकर भेजा था वो अब उन्होंने डील का जाल फेंककर भाजपा सरकार को मजबूर कर दिया है। अब भाजपा के वो संगी-साथी कहां भूमिगत हो गये हैं जो स्वदेशी का नारा लगाते थे। आत्मनिर्भरता जगह भाजपाइयों को 'परनिर्भरता' का नारा अपना लेना चाहिए।

जाति और मजहब को देखकर होता है बुलडोजर इस्तेमाल : सपा

विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के लाल बिहारी यादव, राजेन्द्र चौधरी, डॉ. मान सिंह यादव, मुकुल यादव, आशुतोष सिन्हा, बलराम यादव और अन्य सदस्यों ने प्रदेश में निरन्तर बिगड़ती कानून व्यवस्था के संबंध में सूचना दी। सदस्यों ने कहा कि सरकार द्वारा बुलडोजर का इस्तेमाल जाति और मजहब के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यूपी में संज्ञेय अपराधों की संख्या सबसे ज्यादा है। यहां प्रति वर्ष 3.5 लाख से 4 लाख संज्ञेय अपराध दर्ज किए जाते हैं। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया। सरकार के उत्तर से संतुष्ट न होने के कारण सपा के सभी सदस्यों ने सदन का त्याग किया। सभापति कुँवर मानवेन्द्र सिंह जी ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार के निर्देश दिये।

सपा का आरोप, असली अपराधी छूट जा रहे हैं

सपा सदस्य किरण पाल कश्यप ने दुष्कर्म के एक मामले का उदाहरण देते हुए कहाकि असली अपराधियों को छोड़ दिया गया। सदस्यों ने तंज कसा कि बाबाजी का बुलडोजर कहां गया। तेल खत्म हो गया या ड्राइवर भाग गया। उन्होंने कहा कि पीडीए सदस्यों को निशाना बनाया जा रहा है। हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि पिछले वर्ष 55 हजार से ज्यादा अपराध के मामले महिलाओं के खिलाफ दर्ज किए गए। इस वर्ष 15 दिन के अंदर 1900 से ज्यादा मामले महिलाओं के खिलाफ अपराध के दर्ज किए गए। सिद्धार्थनगर के दरोगा मामले का जिक्र करते हुए कहा कि जिसके भाई एडीएम और भाभी पीसीएस अधिकारी हों, तो भी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। सीतापुर में 17 साल की युवती के अपहरण का हवाला देते हुए कहा कि मामले में एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों के बाद भी सरकार कहेगी कि सब भयमुक्त है और सारी अपराधी विदेश चले गए हैं।

अपराध के मामलों में यूपी शीर्ष पर

विधान परिषद में सपा सदस्यों ने कहा कि हत्या, अपहरण, दुष्कर्म, लूट, डकैती, महिलाओं व बच्चों के विरुद्ध अपराध के मामलों में यूपी शीर्ष पर है। दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और छेड़छाड़ के मामलों में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि एससी, एसटी और पिछड़ों पर अपराध के मामले में भी यूपी अग्रणी है। मुजफ्फरनगर के सोनू कश्यप कांड का उदाहरण देते हुए कहा कि टेम्पो चालकों ने साथियों के साथ पहले मारा-पीटा फिर जिंदा जला दिया। मामले में पुलिस ने एक अज्ञात को आरोपी बनाया। विरोध होने पर एक नाबालिग को जेल भेज दिया गया जबकि घटनाक्रम में शामिल अन्य आरोपियों के नाम तक एफआईआर में दर्ज नहीं किए।

नंदी व रागिनी में बहस

सपा सदस्य द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब पहले अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी दे रहे थे।

हालांकि उनके द्वारा प्रश्न को दोहराने पर रागिनी समेत कई सपा सदस्य विरोध करने लगे। इस पर नंदी ने पलटवार करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में गुंडाराज था। यूपी को बीमारू राज्य कहा जाता था। सपा सदस्य अगर धरातल पर रहते तो उन्हें धरातल की जानकारी होती। इनकी इंस्टाग्राम रील से शुरू होने वाली राजनीति फेसबुक तक पहुंच कर दम तोड़ देती है। सपा सरकार में निवेश वेंटीलेटर पर था। इस पर सपा सदस्य हंगामा करने लगे तो संसदीय कार्य मंत्री ने जवाब दिया।

अमेरिका के सामने नतमस्तक हुई सरकार, केवल पर्दा डाल रही : डिंपल यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित ट्रेड डील के तहत कृषि, डेयरी और जेनेटिकली मॉडिफाइड अनाज शून्य आयात शुल्क पर भारत आएंगे, जिससे रोजगार प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार सच्चाई छिपा रही है।

सांसद डिंपल यादव ने कहा कि कृषि उत्पादों का भारत में शून्य आयात शुल्क के साथ आयात किया जाएगा, डेयरी उत्पाद और जेनेटिकली मॉडिफाइड अनाज भी आएंगे। इससे रोजगार में कमी आने की आशंका भी है। सरकार सच्चाई छिपाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी द्वारा विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की खबरों पर उन्होंने कहा कि वे लोगों का ध्यान व्यापार समझौते से भटकाने के लिए ऐसा कह रहे हैं। डिंपल यादव ने कहा कि सरकार केवल पर्दे डालने का काम कर रही है। सरकार यूएस के आगे नतमस्तक हुई है।

ट्रेड डील से कश्मीरी सेब बागानों पर मंडराया खतरा : उमर अब्दुल्ला

व्यापारियों ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते को लेकर जम्मू-कश्मीर के बागवानी क्षेत्र में गहरी बहस छिड़ गई है। एक ओर कई फल उत्पादक और व्यापारी इसे स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए खतरा मान रहे हैं, वहीं कुछ किसान और कारोबारी इसे प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता सुधार और कीमतों में स्थिरता का अवसर भी बता रहे हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में इस विषय पर गंभीर चिंता जताई। उनका कहना है कि यदि सेब, अखरोट और बादाम जैसे उत्पादों का आयात निशुल्क या बहुत कम शुल्क पर होने लगा तो जम्मू कश्मीर के किसानों को सीधा नुकसान होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब यह क्षेत्र इन उत्पादों का प्रमुख उत्पादक है तो बाहरी माल को खुली इजाजत देना किस तरह स्थानीय हित में माना जा सकता है। इस समझौते का असर खास तौर पर सेब, अखरोट और बादाम जैसे उत्पादों पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, जिन पर जम्मू कश्मीर की बड़ी

आबादी की जीविका निर्भर है। बागवानी विभाग के अनुमान के अनुसार जम्मू कश्मीर में करीब बीस लाख लोग सीधे या परोक्ष रूप से बागवानी से अपनी रोजी रोटी कमाते हैं। ऐसे में आयात नीति में किसी भी बदलाव का असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि गांवों की आय, रोजगार और सामाजिक ढांचे तक जाता है। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के अखरोट उत्पादक और व्यापारी जावेद अहमद लोन का नजरिया कुछ अलग है। उनका मानना है कि बाहरी उत्पादों का आना स्थानीय किसानों को अपनी गुणवत्ता बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। उनके अनुसार संरक्षण की नीति लंबे समय तक किसानों को सुस्त बना देती है, क्योंकि उन्हें तय बाजार मिल जाता है। लोन कहते हैं कि कश्मीर में बादाम और अखरोट की कीमतें अक्सर बिना साफ कारण ऊपर नीचे होती रहती हैं, जिससे किसान और खरीदार दोनों असमंजस में रहते हैं।

उनका तर्क है कि यदि अमेरिका से बेहतर गुणवत्ता के मेवे लगातार आएंगे तो स्थानीय दाम भी एक दायरे में रहेंगे और किसानों को छंटाई, पैकिंग और किस्म सुधार पर ध्यान देना होगा। हालांकि यह सोच पूरे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करती। फल उत्पादक संगठनों के बड़े वर्ग में गहरी चिंता है। फल उगाने वालों और व्यापारियों की एक प्रमुख यूनियन के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आयात शुल्क घटाने का विरोध किया है। उनका कहना है कि ईरान, अमेरिका और दूसरे देशों से सेब के आयात ने पहले ही छोटे किसानों पर दबाव डाला है।

बढ़ती लागत, अनिश्चित मौसम, कीट हमले और परिवहन की दिक्कतों से बागवानी क्षेत्र पहले से वित्तीय दबाव में है। ऐसे में शुल्क में कमी ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकती है।बशीर की मांग है कि विदेशी सेबों पर सौ प्रतिशत से अधिक आयात शुल्क लगाया जाए ताकि कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के उत्पादक भारतीय बाजार में टिक सकें। उनका कहना है कि जब भी सस्ते आयातित सेब बाजार में आते हैं तो व्यापारी स्वाभाविक रूप से उन्हें तरजीह देते हैं, जिससे स्थानीय सेब का मूल्य गिरता है और किसानों को लागत निकालना भी कठिन हो जाता है।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता अपारदर्शी : कार्ति चिदंबरम

कांग्रेस नेता बोले- अमेरिकी राष्ट्रपति ने केवल सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर चल रहे राजनीतिक गतिरोध के बीच, कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने समझौते को अत्यंत अपारदर्शी बताते हुए कहा कि इसमें स्पष्टता की कमी है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि भारत ने समझौते पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि नहीं की है।

कांग्रेस सांसद ने बताया, अमेरिकी राष्ट्रपति ने केवल सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की है, और अभी तक कोई हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। इस बीच, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने गुरुवार को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर जनता को गुमराह करने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की और कहा कि केंद्र

सरकार ने किसानों और डेयरी उद्योग के हितों को सुनिश्चित किया है। पासवान ने कहा कि विपक्ष ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर जनता को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने यह कहानी गढ़ी कि यह समझौता किसान विरोधी और डेयरी विरोधी है। केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया है कि किसानों और डेयरी उद्योग के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। पिछले सप्ताह घोषित भारत-अमेरिका अंतरिम समझौता दोनों देशों के बीच पारस्परिक और लाभकारी व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा के रूप में है। इस समझौते में अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क को समाप्त करना या कम करना शामिल है, जिसमें सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। इसके बदले में, संयुक्त राज्य अमेरिका चुनिंदा भारतीय वस्तुओं पर 18 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाएगा, जिनमें वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, प्लास्टिक, रबर, जैविक रसायन, घरेलू सजावट का सामान, हस्तशिल्प उत्पाद और कुछ मशीनरी शामिल हैं।

पंजाब विस चुनाव से पहले नया दावं

मजीठिया कॉडर को सक्रिय करने में जुटे

- भाजपा व शिअद में गठजोड़ के संकेत
- आप सरकार लोक लुभावन घोषणा में जुटी
- कांग्रेस ने भी संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में विस चुनाव के लिए माहौल बनने लगा है। जहां आप सरकार जनता के लिए लोकलुभावन योजनाएं लागू करने में जुटी हैं तो विपक्षी दल उसको घेरने में लगे हैं। इस बीच कु छ पार्टियों के आपसी गठबंधन पर भी चर्चा चल रही है। वहीं शिअद में दो शक्ति केंद्र दिखाई दे रहे हैं।

जेल से निकले मजीठिया अपना काडर सक्रिय करने में जुट हैं। वह कई जगह सुखबीर संग एक मंच पर नहीं दिख रहे हैं। बिक्रम मजीठिया रिश्ते में सुखबीर बादल के साले और सांसद हरसिमरत कौर बादल के छोटे भाई हैं और दो बार पंजाब के मंत्री रह चुके हैं। पंजाब की सियासत में सबसे पुरानी पार्टी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) में एक बार फिर दो शक्ति केंद्र उभर गए हैं। बिक्रम सिंह मजीठिया के जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद ऐसी स्थिति बन रही है। उधर फिरोजपुर मार्च में सियासी संकेत देखने को मिले। सुखबीर-भाजपा साथ आए इससे गठजोड़ की चर्चा तेज हो गई है।

नाराज पुराने अकालियों को पार्टी में वापस लाने की कोशिश कर रहे मजीठिया

मजीठिया इन दिनों हाशिये पर पहुंचे अपने कैडर को फिर सक्रिय करने में जुटे हैं, वहीं शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल पहले ही खुद से नाराज पुराने अकालियों को पार्टी में वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। ड्रग मनी केस के आरोपों में घिरे मजीठिया को जून 2025 में पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था। उन पर आय से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप भी लगे और वे नाभा जेल में बंद थे। पिछले दिनों मजीठिया को सुप्रीम कोर्ट से इस केस में जमानत मिल गई है। उनकी रिहाई पर उनके समर्थकों ने गरमजोशी के साथ स्वागत किया था मगर उस दौरान शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल नहीं दिखे। चर्चाएं जब तेज हुईं तो रात को सुखबीर बादल मजीठिया से मिलने उनके घर पहुंचे। इस पर पार्टी की ओर से दावा किया गया था कि दिन में बादल कहीं व्यस्त थे।

हो चुकी है तकरार

शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल और बिक्रम मजीठिया के बीच एसजीपीसी की कार्यकारी समिति द्वारा बर्खास्त किए गए तख्त जत्थेदारों के मसले पर तकरार देखने को मिल चुकी है। मार्च 2025 में मजीठिया और उनके समर्थकों ने इस फैसले का विरोध किया था। इसे पार्टी की पंथक एकता को कमजोर होने वाला बताया था। इस पर बादल के खास व शिअद के कार्यवाहक अध्यक्ष बलविंदर सिंह भूंदड़ ने एसजीपीसी के फैसले पर सवाल उठाने के लिए मजीठिया की निंदा करते हुए कहा था कि मजीठिया पर मुश्किल समय में पार्टी का साथ देने के बजाय शिरोमणि अकाली दल और सुखबीर बादल को कमजोर करने का आरोप लगाया था। मजीठिया पर पार्टी अनुशासन तोड़ने का भी आरोप लगा था।

सुखबीर बादल और अश्वनी शर्मा एक साथ

फिरोजपुर में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ नशा विरोधी पैदल मार्च में सुखबीर बादल और अश्वनी शर्मा की मौजूदगी ने भाजपा-अकाली गठजोड़ की अटकलों को तेज कर दिया है। हालांकि यह एक जागरूकता मार्च था मगर राज्यपाल के साथ शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर और भाजपा के कार्यकारी प्रभारी अश्वनी शर्मा का होना, इस बात का इशारा कर रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब की राजनीति करवट ले रही है। इस पैदल मार्च में डेरा ब्यास मुखी गुरिंदर सिंह ढिल्लों की मौजूदगी से भी सियासी गलियारों में हलचल है। राज्यपाल कटारिया चार दिन के पंजाब दौरे पर हैं। वे आमजन खासकर युवाओं के साथ बॉर्डर से सटे जिलों में नशा विरोधी जागरूकता मार्च निकाल रहे हैं। दौरे के दूसरे दिन फिरोजपुर में राज्यपाल का जागरूकता मार्च पंजाब के मौजूदा सियासी समीकरणों के मद्देनजर ज्यादा चर्चा में रहा।

सुखबीर के साथ एक मंच पर नहीं दिखे मजीठिया

उसके बाद मजीठिया अपने समर्थकों के साथ अमृतसर पहुंचे। अमृतसर में कार्यकर्ताओं के साथ वे विभिन्न मौकों पर मौजूद रहे मगर अभी तक कोई ऐसा कोई मौका नहीं आया है जब रिहाई के बाद सुखबीर किसी कार्यक्रम में मजबूती का भाव दिखाते हुए मजीठिया के खड़े हों। सूत्र बताते हैं कि चुनाव से पहले मजीठिया के जेल से बाहर आने के बाद मजीठिया कैडर के कार्यकर्ताओं में तो खासा उत्साह है और पार्टी भी इसे अपनी मजबूती की तरह देख रही है मगर पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं में इस बात को लेकर थोड़ा संशय भी है कि विरोधी सियासी दल मजीठिया पर लगे आरोपों और उनके फिर सियासत में सक्रिय होने को मतदाताओं के बीच एक राजनीति मुद्दा बना सकते हैं, क्योंकि ड्रग का मुद्दा पंजाब के चुनावों में हमेशा से ही ज्वलंत रहता है। उधर शिअद के एक पदाधिकारी ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि मजीठिया के बाहर आने के बाद पार्टी मजबूत हुई है। वे पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व कोर कमेटी के सदस्य हैं। पार्टी का अगला लक्ष्य साल 2027 के चुनाव जीतकर सरकार बनाना है।

महाराष्ट्र में बन रहे नए-नए सियासी समीकरण

अध्यक्ष पद और पार्थ पवार के राजनीतिक भविष्य पर सुगबुगाहट

- सुनेत्रा पवार के दिल्ली दौरे की खास मायने
- शिवसेना यूबिटी व कांग्रेस में अनबन
- एआईएमआईएम व भाजपा में गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में नए-नए सियासी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। शिवसेना यूबिटी व एआईएमआईएम जहां भाजपा के साथ मिलकर नगरनिकायों में मेयर बनवा रही है। वहीं कांग्रेस महाविकास अघाड़ि पर वार जारी है। इस बीच राज्य की नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अपने पति और एनसीपी नेता अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद पदभार संभालने वाली सुनेत्रा पवार का यह पहला दिल्ली दौरा है। इस दौरे को न केवल एक शिष्टाचार भेंट बल्कि एनसीपी के भविष्य की रणनीति के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुनेत्रा पवार के साथ इस दौरे पर उनके दोनों बेटे, पार्थ और जय, तथा एनसीपी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने अजित पवार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और सुनेत्रा पवार को उनके नए उत्तरदायित्व के लिए केंद्र के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।बता दें अजीत पवार को लेकर एक छोटा चार्टर्ड एयरक्राफ्ट 28 जनवरी को सुबह करीब 8 बजे मुंबई से उड़ा था। करीब 45 मिनट बाद, बारामती एयरपोर्ट के पास लैंड करने की कोशिश में प्लेन क्रैश हो गया। अजीत पवार के अलावा, प्लेन में चार और लोग सवार थे और इस हादसे में कोई नहीं बचा। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए अभी जांच चल रही है।

सुनेत्रा पवार देंगी राज्यसभा से त्याग पत्र

सुनेत्रा पवार ने अभी तक राज्यसभा से इस्तीफा नहीं दिया है। वह फिलहाल अपने अगले पॉलिटिकल कदम के बारे में वेट एंड वॉच अप्रोच अपना रही हैं। खबर है कि पार्टी पार्थ पवार को राज्यसभा भेजने को लेकर पॉजिटिव है।

एनसीपी के दोनो गुटों के एकीकरण पर चर्चा

चर्चाओं के विपरीत, एनसीपी (अजित पवार गुट) के नेताओं ने स्पष्ट किया कि शरद पवार गुट के साथ विलीनीकरण का मुद्दा वर्तमान एजेंडे में नहीं है। पार्टी के कई विधायक विलीनीकरण के विचार का कड़ा विरोध कर रहे हैं।

मर्जर का विरोध जारी

एनसीपी का अजित पवार गुट मर्जर का विरोध जारी रखे हुए है। अजित पवार के साथ जुड़े नेताओं ने किसी भी तरह के कंसोलिडेशन के साथ जाने से मना कर दिया है। दौरे के दौरान एनसीपी और एनसीपी (एसपी) के मर्जर के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई, और यह एजेंडा में भी नहीं था।

प्रेसिडेंट पर आम सहमति

सुनेत्रा पवार को नेशनल प्रेसिडेंट बनाने पर पार्टी में आम सहमति है। नेशनल प्रेसिडेंट बनाने का प्रोसेस फरवरी के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है। इन कदमों को फॉर्मल बनाने के लिए मुंबई में नेशनल एग्जीक्यूटिव की मीटिंग होगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्कूलों को सुदृढ़ करने से कम होगा छात्रों का पलायल

मप्र, यूपी से लेकर राजस्थान तक ऐसी खबरें आई कि कई स्कूल बंद हो गए। इसके पीछे बच्चों की घटती संख्या को कारण बताया गया सबसे ज्यादा ये दिक्कत सरकारी स्कूलों में है। ये एक चिंता का विषय है। सरकार को इसओर विशेष ध्यान देना होगा। आंगनवाड़ी से स्कूल तक मजबूत कड़ी बनाने की आवश्यकता है। ड्रॉपआउट की समस्या वर्षों से बनी हुई है, बस आंकड़े बदलते रहते हैं। इसे जड़ से खत्म करने के लिए आंगनवाड़ी और प्राथमिक स्कूलों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। आंगनवाड़ी में पंजीकृत बच्चों को सीधे स्कूल में प्रवेश देने की व्यवस्था होनी चाहिए। घुमंतू या मजदूरी करने वाले परिवारों के बच्चों के पास अक्सर जरूरी दस्तावेज नहीं होते, जिससे उनका प्रवेश रुक जाता है। ऐसे मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए नियमों में कुछ लचीलापन जरूरी है। सरकारी स्कूलों में बढ़ती ड्रॉपआउट दर केवल शिक्षा का नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता का भी संकेत है।

जब बच्चा स्कूल छोड़ता है तो उसका भविष्य सीमित हो जाता है। इसलिए माध्यमिक स्तर से ही कौशल आधारित पाठ्यक्रम, डिजिटल शिक्षा और स्थानीय रोजगार से जुड़ी ट्रेनिंग शुरू की जानी चाहिए। इससे अभिभावकों का भरोसा बढ़ेगा। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, डीबीटी, मुफ्त किताबें और परिवहन सुविधा समय पर मिलनी चाहिए। साथ ही, स्कूलों में काउंसलिंग और मेंटरशिप से बच्चों का आत्मविश्वास मजबूत किया जा सकता है। ड्रॉपआउट की समस्या का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। समाज और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। जब शिक्षा को भविष्य के अवसर के रूप में देखा जाएगा, तब बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी। डिजिटल सुविधाओं का विस्तार और स्कूलों में बुनियादी संसाधनों का सुधार समय की मांग है। कई सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतें और संसाधनों की कमी भी बच्चों को पढ़ाई से दूर करती हैं। टपकती छत, बैठने की समुचित व्यवस्था का अभाव और स्वच्छ पानी की कमी जैसे मुद्दे तुरंत सुलझाए जाने चाहिए। लड़कों और लड़कियों के लिए अलग शौचालय की सुविधा विशेष रूप से जरूरी है। शिक्षकों की पर्याप्त संख्या और उनकी नियमित उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाए। मुफ्त गणवेश, सस्ती कॉपी किताबें और प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित करने जैसी पहल बच्चों का उत्साह बढ़ाती हैं। बेहतर वातावरण ही बच्चों को स्कूल में टिकाए रखने का आधार बन सकता है। सरकारी योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं।

आंगनवाड़ी से स्कूल तक मजबूत कड़ी बनाने की आवश्यकता है। ड्रॉपआउट की समस्या वर्षों से बनी हुई है, बस आंकड़े बदलते रहते हैं। इसे जड़ से खत्म करने के लिए आंगनवाड़ी और प्राथमिक स्कूलों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। आंगनवाड़ी में पंजीकृत बच्चों को सीधे स्कूल में प्रवेश देने की व्यवस्था होनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हनन के प्रश्न

विश्वनाथ सचदेव

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान हंगामा तो पहले भी होता रहा है, पर इस बार जो कुछ हुआ, वह अभूतपूर्व ही था। पहली बात तो यह हुई कि सत्ता पक्ष ने नेता विपक्ष को उनकी बात नहीं कहने दी और दूसरी यह कि किसी 'अनहोनी' की आशंका से लोकसभा के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को यह आग्रह किया कि वह कार्यक्रम के अनुसार सदन में बहस का उत्तर देने न आयें। यह दोनों ही बातें हैरान करने वाली हैं, पर यह भी अपने आप में कम हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष की सलाह मानते हुए सदन में न आने का निर्णय कर लिया। यह घटना जहां एक ओर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के हनन के रूप में याद रखी जायेगी, वहीं इस बात पर भी प्रश्नचिन्ह लगाती है कि हमारी संसद में देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा खतरे में क्यों और कैसे पड़ गयी।

प्रधानमंत्री को सदन में न आने देने की सलाह के बारे में बताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने जो कहा, वह निश्चित रूप से चिंता की बात है। उन्होंने 'पुख्ता जानकारी' का हवाला देते हुए कहा था कि उस दिन सदन में प्रधानमंत्री के साथ कुछ भी हो सकता था। इस 'कुछ भी' का ब्योरा उन्होंने यह शब्द लिखे जाने तक नहीं दिया है, पर यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि उनका इशारा प्रधानमंत्री की सुरक्षा की ओर था। यदि ऐसा कुछ है तो देश को यह जानने का अधिकार है कि हमारे प्रधानमंत्री को किससे और कैसा खतरा था। यही नहीं, यह बताना भी अध्यक्ष का कर्तव्य है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। जो किसी भी दृष्टि से देश के हित में नहीं होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्दी ही देश की जनता को इस बारे में विश्वास में लिया जायेगा। संसद के भीतर प्रधानमंत्री पर इस तरह खतरे का होना जहां हमारी समूची सुरक्षा व्यवस्था को अंगूठा दिखा रहा है, वहीं सवाल संसद की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने वालों के मंतव्य पर भी उठता है।

सवाल जनतांत्रिक मूल्यों में हमारी आस्था और विश्वास का है। अक्सर इस तरह की स्थिति विपक्ष के विरोध से उत्पन्न होती है, पर सदस्यों के अभिव्यक्ति के अधिकार को चुनौती इस बार सत्तारूढ़ पक्ष ने भी दी है। जिस तरह नेता विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने से रोकने की कोशिश हुई, उन्हें एक पुस्तक का उद्धरण देने से रोका गया, वह नियमों को आधार बनाकर एक सच्चाई को उजागर होने से रोकने

की कोशिश ही कही जायेगी। देश के पूर्व सेनाध्यक्ष की जिस कथित रूप से अप्रकाशित पुस्तक को लेकर सारा विवाद हुआ, वह एक उपहास बनकर रह गया है। पहले भी उस पुस्तक के कुछ अंश पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं और अब तो वह सब कुछ सोशल मीडिया के माध्यम से देश के सामने आ गया है, जिसे सत्तारूढ़ पक्ष उजागर नहीं करना चाहता था! अब सारी दुनिया जान गयी है कि भारत सरकार ने जनरल नरवणे की जिस पुस्तक के अंश को छपने देने की अनुमति अब तक नहीं दी है उसका रिश्ता उस एक घटना से है जिसमें जनरल ने यह लिखा था कि शत्रु देश चीन के बढ़ते कदमों को रोकने के लिए उन्हें सर्वोच्च अधिकारी से आवश्यक अनुमति बार-बार प्रयास करने के बाद भी नहीं मिल पायी थी। सवाल इस घटना की सच्चाई या झूठ का नहीं है, सवाल यह है कि यदि उस दिन लोकसभा में नेता विपक्ष को इस घटना का हवाला देने दिया जाता तो क्या बिगड़ जाता? सारी जानकारी एक खुला रहस्य था, यह बात सदन में दोनों पक्षों को पता थी। प्रधानमंत्री की सुरक्षा वाली बात अपनी जगह है। उसकी तो जांच होनी ही चाहिए और जो भी दोषी है उसे उचित सजा भी मिलनी चाहिए। इस संदर्भ में किसी को भी किसी तरह की छूट दिया जाना प्रधानमंत्री की ही नहीं, देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करना होगा। इस समूचे प्रकरण का एक हिस्सा जनतांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों का है। जो शासन-व्यवस्था हमने अपने लिए चुनी है, उसमें संवाद का सर्वाधिक महत्व है। हमारा संविधान हर नागरिक के अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करता है। हर नागरिक का अधिकार है कि वह उचित मर्यादाओं का पालन करते हुए अपनी बात कह सकता है।

संसद में, और विधानसभाओं में तो सदस्यों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि सदन में उनकी कही बात को किसी भी तरह से अपराध नहीं माना जायेगा। यह व्यवस्था इसलिए भी जरूरी थी कि निर्वाचित सदस्य अपनी बात निर्भयतापूर्वक कह सकें। ऐसे में यदि नेता विपक्ष को कोई बात कहने से रोका जाता है तो इसे जनतांत्रिक मूल्यों-परंपराओं का नकार ही कहा जायेगा। निर्वाचित सदस्यों से यह अपेक्षा अवश्य की जाती है कि वे अपनी मर्यादाओं का पालन करेंगे, पर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी बात सदन में कहने का अवसर और अधिकार मिलना ही चाहिए।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सामाजिक बदलाव के प्रेरणास्रोत

विवेक शुक्ला

महर्षि दयानंद सरस्वती ने जीवन भर हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों के विरुद्ध आवाज उठाई। इस संन्यासी का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने अंग्रेजी शासन के दौरान भी भारतीय संस्कृति की रक्षा की और राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया। हालांकि, सुधारवादी विचारों के चलते उनके कुछ शत्रु भी बन गये। 30 अक्टूबर, 1883 को अजमेर में उनकी हत्या कर दी गई, संभवत: जहर देकर। लेकिन उनकी मृत्यु के बाद भी उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज फला-फूला और आज दुनिया में लाखों अनुयायी हैं। 21वीं सदी में, जब दुनिया वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति और सामाजिक परिवर्तनों से गुजर रही है, उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं व मार्गदर्शक का काम करते हैं। सबसे पहले, दयानंद सरस्वती ने महिलाओं को शिक्षा और समान अधिकार देने की बात की, जिसकी आज भी देश में लैंगिक असमानता के खिलाफ लड़ाई में प्रासंगिकता है।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में जेंडर इक्वेलिटी शामिल है, और दयानंद के विचार इस दिशा में प्रेरक हैं। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन और बाल विवाह का विरोध किया, जो आज भी कानूनी और सामाजिक मुद्दे हैं। महर्षि दयानंद ने शिक्षा पर बल दिया व उसे हरेक जाति और महिला-पुरुषों सभी के लिए अनिवार्य बताया। आज के भारत में, जहां साक्षरता दर बढ़ रही है लेकिन गुणवत्ता में कमी है, उनके वैदिक शिक्षा के मॉडल उपयोगी हैं जो नैतिकता, विज्ञान और तर्क पर आधारित हैं। आर्य समाज द्वारा स्थापित डीएवी स्कूल आज भी शिक्षा का प्रसार कर रहे हैं, जो उनके विचारों की व्यावहारिकता का प्रमाण हैं। तीसरा, दयानंद सरस्वती ने कहा कि जन्म से नहीं, कर्म से जाति निर्धारित होती है। आज भारत में आरक्षण और सामाजिक न्याय के मुद्दों में यह विचार प्रासंगिक है। समाज के वंचित-पिछड़े लोगों के उत्थान के लिए उनके जैसे सुधार आवश्यक हैं, जो समावेशी समाज की नींव रखते हैं। चौथा, उन्होंने अंधविश्वासों को खारिज किया और तर्कपूर्ण जांच को प्रोत्साहित किया।

आज के युग में, जब फेक न्यूज और स्यूडो-साइंस फैल रहे हैं, उनकी 'सत्यार्थ प्रकाश' जैसी रचनाएं तार्किक सोच सिखाती हैं। उन्होंने वेदों को विज्ञान से जोड़ा, जो आधुनिक हिंदू राष्ट्रवादियों और वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा है। मसलन, पर्यावरण संरक्षण के लिए वेदों के सिद्धांत आज क्लाइमेट चेंज के खिलाफ लड़ाई में उपयोगी हैं। पांचवां, राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पुनरुत्थान। ऋषि दयानंद ने स्वदेशी और भारतीय संस्कृति की रक्षा की बात की, जो स्वतंत्रता संग्राम में प्रभावी साबित हुई। आज देश में जहां सांस्कृतिक पहचान और वैश्वीकरण का टकराव है, उनके विचार एकता और गौरव की भावना जगाते हैं। आर्य समाज के जरिये धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा दिया, जो बहुलवादी भारत के लिए जरूरी है। दयानंद सरस्वती के विचार न केवल ऐतिहासिक महत्व रखते हैं, बल्कि आधुनिक चुनौतियों के मुकाबले के लिए उपकरण प्रदान करते हैं।

सामाजिक न्याय, शिक्षा, लैंगिक समानता और तर्कपूर्ण सोच जैसे उनके सिद्धांत आज भी दुनिया को बेहतर बनाने में मददगार हैं। उनकी विरासत आर्य समाज के रूप में जीवित है, जो हमें याद दिलाती है कि सत्य की खोज कभी पुरानी नहीं होती। दयानंद सरस्वती जैसे सुधारक प्रेरित करते हैं कि परिवर्तन स्वयं व्यक्ति से शुरू होता है और समाज को बदल सकता है। दयानंद सरस्वती ने पूरे भारत का भ्रमण कर विभिन्न गुरुओं से ज्ञान प्राप्त किया और वेदों का गहन अध्ययन किया। उन्होंने योगी और संन्यासी के रूप में जीवन व्यतीत किया। वर्ष 1860 में संन्यास ग्रहण किया और दयानंद सरस्वती नाम धारण किया। उनका मुख्य उद्देश्य था हिंदू धर्म को उसके मूल रूप में लौटाना, जो वेदों पर आधारित था। उनका मानना था कि वेद ईश्वर का शाश्वत ज्ञान हैं और वे विज्ञान, नैतिकता और सामाजिक न्याय के स्रोत हैं। वर्ष 1875 में बॉम्बे में आर्य समाज की स्थापना दयानंद सरस्वती के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य था। आर्य समाज एक ऐसा संगठन था, जो वेदों की वापसी का नारा देता था—'वेदों की ओर लौटो'। इस संगठन के जरिये उन्होंने जाति प्रथा, बाल विवाह, सती प्रथा और विधवा विवाह की मनाही जैसी कुरीतियों का विरोध किया। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और समान अधिकारों की वकालत की, जो उस समय क्रांतिकारी विचार थे।

आर्य समाज ने शुद्धि आंदोलन चलाया, जिसके तहत दूसरे मतों में परिवर्तित हुए लोगों को वापस हिंदू धर्म में लाया जाता था। दयानंद सरस्वती ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख साधन माना और लड़कों तथा लड़कियों दोनों के लिए वैदिक स्कूल स्थापित किए। उनकी प्रमुख रचना 'सत्यार्थ प्रकाश' 1875 में प्रकाशित हुई, जो हिंदू धर्म की व्याख्या और अन्य मतों की आलोचना करती है। इस पुस्तक में उन्होंने वेदों को आधार बनाकर तर्क के साथ धर्म की स्थापना का विचार प्रतिपादित किया। महर्षि दयानंद ने कर्म और पुनर्जन्म के सिद्धांतों पर जोर दिया, साथ ही ब्रह्मचर्य और ईश्वर भक्ति को जीवन का मूल बताया। दयानंद सरस्वती के विचारों में विज्ञान और धर्म का समन्वय था; उन्होंने कहा कि वेदों में आधुनिक विज्ञान के बीज मौजूद हैं, जैसे कि पृथ्वी का गोलाकार होना और गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत।

बिहार की पारंपरिक डिशेज

जिन्हें खाकर जिंदगीभर नहीं भूल पाएंगे इनका स्वाद

आज-कल बिहार काफी सुर्खियों में है, क्योंकि हाल ही में बिहार में चुनावों का समापन हुआ है। जब भी जिक्र बिहार का आता है तो सबसे पहले वहां के स्वादिष्ट खाने का ख्याल आ जाता है। ऐसे में सबसे पहले जिस व्यंजन की याद आती है, वो है लिट्टी-चोखा। ये डिश न सिर्फ बिहार में बल्कि देश और विदेश में भी बेहद लोकप्रिय है। पर बिहार की खाद्य संस्कृति सिर्फ लिट्टी-चोखे तक सीमित नहीं है। यहां कई ऐसे पारंपरिक व्यंजन मौजूद हैं, जिनका स्वाद जितना अनोखा है, उतना ही कम लोग इनके बारे में जानते हैं। ये डिशेज बिहार की पुरानी परंपराओं, देसी मसालों और स्थानीय सामग्रियों से तैयार होती हैं, जिनमें लोगों की जीवनशैली और संस्कृति की झलक दिखती है। अगर आप फूड लवर हैं और नए स्वादों को एक्सप्लोर करना पसंद करते हैं, तो बिहार की बेहद स्वादिष्ट पारंपरिक डिशेज आपके लिए एक नए फूड अनुभव का दरवाजा खोल सकती हैं।

चना घुघनी

सामान

काला चना- 1 कप, प्याज- 1, टमाटर- 1, अदरक-लहसुन पेस्ट -चम्मच, हल्दी – ½ चम्मच,<लाल मिर्च - 1 चम्मच, धनिया पाउडर- 1 चम्मच, जीरा – ½ चम्मच, नमक- स्वादानुसार, हरी मिर्च, धनिया पत्ती।

विधि

चना घुघनी बनाने के लिए सबसे पहले भिगोए हुए चने को नमक और हल्दी डालकर प्रेशर कुकर में उबाल लें। जब चने उबल जाएं तो कड़ाही में तेल गर्म करें और जीरा तड़का लगाएं। इसके बाद कड़ाही में प्याज भूनकर अदरक-लहसुन पेस्ट डालें। अब टमाटर और मसाले डालकर अच्छी तरह भूनें। टमाटर के भुनने के बाद उबले चने डालकर 5-7 मिनट पकाएं। आखिर में इसके ऊपर हरी मिर्च और धनिया पत्ती डालकर सर्व करें।

दाल फरा

सामान

चावल का आटा - 2 कप, चना दाल - 1 कप (भिगोकर पीसी हुई), लहसुन- 4-5 कलियां, अदरक - थोड़ा सा, हरी मिर्च - 2, जीरा – ½ चम्मच, नमक- स्वादानुसार, धनिया पत्ती।

विधि

दाल फरा बनाने के लिए सबसे पहले चावल के आटे में गर्म पानी डालकर सख्त आटा गूंथ लें। इसे गूंथने के बाद साइड में रख दें। दूसरी तरफ चना दाल को लहसुन, अदरक, हरी मिर्च, नमक और जीरा के साथ दरदरा पीस लें। इसे पीसने के बाद चावल के आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर चपटा करें और बीच में दाल का मिश्रण भरें। किनारों को बंद करके लंबा आकार दें। इसके बाद एक बड़े बर्तन में पानी उबालें और उसमें भरे हुए फरे डालकर 10-12 मिनट पकाएं। आखिर में इसे निकालकर हल्के तेल में तड़का लगाना चाहें तो लगा सकते हैं। इसे चटनी के साथ परोसें।

सत्तू पराठा

सामान

गेहूं का आटा - 2 कप, सत्तू - 1 कप, हरी मिर्च- 1 बारीक कटी, लहसुन (कद्दूकस)- 3-4 कलियां, अचार का मसाला- 1 चम्मच, प्याज- 1 बारीक कटा, नींबू रस- 1 चम्मच, अजवाइन – ½ चम्मच, नमक - स्वादानुसार।

विधि

सत्तू का पराठा बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं का आटा पानी डालकर नर्म गूंथ लें। एक कटोरी में सत्तू, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च, नींबू रस, नमक, अजवाइन और अचार मसाला मिलाकर भरावन तैयार करें। आटे की लोइयां बनाकर उसमें सत्तू का मसाला भरें। अब हल्के हाथ से परांठा बेलें और तवे पर घी/तेल डालकर सेंकें। दही या अचार के साथ गरम -गरम सर्व करें।

हंसना मना है

पापा- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नहीं आता।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा- मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति- ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति- देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू- पापा बुलेट दिला दो, बाप- पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है..पप्पू- यही तो देखा नहीं जाता!

कहानी — हंस और मूर्ख कछुआ

एक जंगल के बीचों-बीच एक तलाब था, जहां जानवर आकर अपनी प्यास बुझाया करते थे। उसी तालाब में एक कछुआ भी रहता था। वह फालतू की बातें बहुत करता था, इसलिए सभी जानवरों ने उसका नाम बातूनी कछुआ रखा था, लेकिन दो हंस उसके बहुत अच्छे दोस्त थे, जो हमेशा उसका भला चाहते थे। एक बार गर्मी के मौसम में तालाब का पानी धीरे-धीरे सूखने लगा। जानवर पानी पीने के लिए तरसने लगे। हंसों ने कछुए से कहा कि इस तालाब का पानी कम हो रहा है और हो सकता है कि यह बहुत जल्दी सूख जाए। तुम्हें यह तालाब छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए। कछुए ने कहा कि मैं यह तालाब छोड़कर कैसे जा सकता हूं और यहां आसपास कोई तालाब भी नहीं है, हंस ने अपने दोस्त की मदद कर के लिए खूब सोचा और एक तरकीब निकाली। दोनों हंसों ने कहा कि हम एक लकड़ी लेकर आते हैं, तुम अपने मुंह से उसे बीच में से पकड़ लेना और लकड़ी का एक-एक सिरा हम दोनों पकड़कर तुम्हें यहां से दूर एक बड़े तालाब में ले जाएंगे। उस तलाब में बहुत सारा पानी है और वो कभी नहीं सूखता। कछुआ उनकी बात मान गया और हंसों के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उड़ने से पहले हंसों ने उसे चेतावनी दी कि वह रास्ते में कुछ भी न बोले। जब हम बड़े तालाब पर पहुंच जाएंगे, तब ही उसे जो बोलना है बोल सकता है। कछुए ने हां में उत्तर दिया और लकड़ी को पकड़ लिया। वो दोनों हंस लकड़ी को पकड़कर उड़ चले। वो उड़ते हुए एक गांव के ऊपर से निकले। गांव वालों ने ऐसा पहली बार देखा था। सभी तालियां बजाने लगे। यह देखकर कछुए से रहा नहीं गया और बोला कि नीचे क्या हो रहा है? जैसे ही उसने बोलने के लिए मुंह खोला उसके मुंह से लकड़ी छूट गई और वो नीचे गिर गया। ऊंचाई से नीचे गिरने की वजह से कछुआ मर गया और हंस अफसोस करते हुए वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

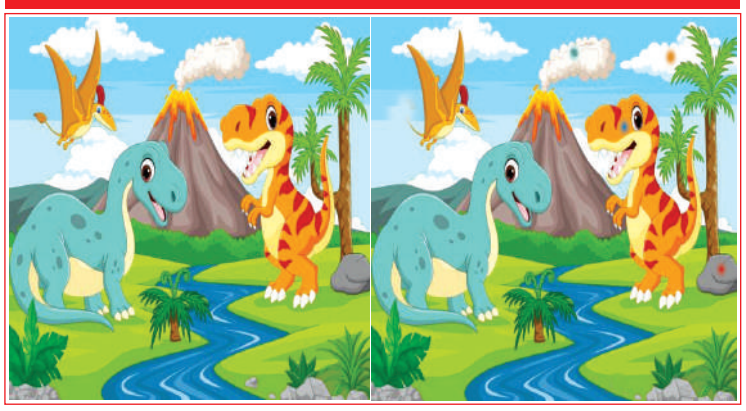

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धर्नाजन होगा, जोखिम न लें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा।

वृषभ

विवाद से क्लेश होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

मिथुन

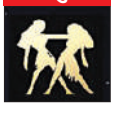

प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान मिलने की संभावना है।

कर्क

अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। व्यापारिक उन्नति होगी। अनायास किसी समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

यात्रा मनोरंजक रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ के अवसर आएंगे। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

कन्या

घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरी, व्यवसाय में इच्छित वातावरण तैयार होगा।

तुला

वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आलस्य को त्यागकर प्रत्येक काम समय पर करें।

वृश्चिक

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी।

धनु

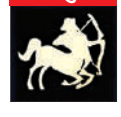

देव दर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। बाहरी सहयता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। सोच-समझकर व्यय करें।

मकर

कष्ट, भय, तनाव का माहौल बनेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। शत्रु पक्ष से सतर्क रहें। आपके कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी।

कुम्भ

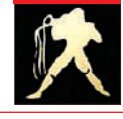

वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएँगे। अनसोचे काम होंगे।

मीन

घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अनायास समस्या सुलझेगी।

बॉलीवुड | सहयोग

राजपाल यादव के साथ अब वेब सीरीज बनायेगी टीवीएफ

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर राजपाल यादव इस वक्त चेक बाउंस केस को लेकर चर्चा में हैं। एक दशक से चल रहे चेक बाउंस केस में एक्टर को जेल जाना पड़ा है। उन पर 9 करोड़ रुपये का कर्ज है। राजपाल यादव के पास चुकाने के लिए 9 करोड़ रुपये नहीं थे जिसकी वजह से उन्हें सरेंडर करना पड़ा। वह इस वक्त तिहाड़ जेल में बंद हैं। राजपाल यादव को लोन डिफॉल्ट मामले में जेल की सजा सुनाने के बाद सलमान खान, अजय देवगन और वरुण धवन जैसे सितारों ने उनका समर्थन किया। अब एक और व्यक्ति राजपाल की मदद के लिए आगे आए हैं। यह कोई और नहीं बल्कि पंचायत और गुल्लक जैसी सीरीज बना चुकी द वायरल फीवर (टीवीएफ) है। टीवीएफ ने एक पोस्ट के जरिए राजपाल यादव की मदद का ऐलान किया है। टीवीएफ ने राजपाल यादव का साथ देने का वादा किया है और उनके साथ काम करने की इच्छा जताई है। वह राजपाल के साथ एक वेब सीरीज बनाना चाहते हैं। टीवीएफ ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने लिखा, इस मुश्किल घड़ी में हम राजपाल यादव जी के साथ मजबूती से खड़े हैं। राजपाल यादव जी, हर दौर में आपके काम ने लाखों लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाई है। हम आपके साथ हैं और आपका पूरा समर्थन करते हैं। टीवीएफ ने आगे लिखा, हम सच में एक दिन आपके साथ कुछ खास बनाना चाहेंगे। एक ऐसी सीरीज, जिसमें दर्शक आपकी उस जादूगरी को और करीब से देख सकें जो आप अपने साथ लेकर चलते हैं। डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म अता पता लापता मूवी के लिए मुरली प्रोजेक्ट्स से 5 करोड़ रुपये का लोन लिया था। 5 करोड़ रुपये का लोन लिया था। हालांकि, फिल्म की असफलता के बाद वह यह लोन नहीं चुका पाए। अब यही रकम ब्याज और जुर्माने के साथ 9 करोड़ रुपये हो गई।

अब ओटीटी पर कब्जा जमायेगी बॉर्डर 2

निर्देशक अनुराग सिंह के डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में अब भी जारी है। सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान पांडे स्टारर इस वॉर ड्रामा मूवी ने सही मायनों में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। इस बीच अब बॉर्डर 2 की ओटीटी रिलीज की चर्चा भी तेज हो गए हैं।

थिएटर रिलीज से पहले बॉर्डर 2 की डिजिटल राइट्स डील कर ली गई थी। मशहूर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने फिल्म के राइट्स को खरीदा था। इतना ही नहीं मूवी के क्रेडिट सीन्स में भी इस बात की जानकारी दी गई है कि आने वाले समय में बॉर्डर 2 आपको ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देखने को मिलेगी। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है।

अक्सर देखा जाता है कि फिल्म की थिएटर रिलीज के 45-60 दिनों के अंतराल में ओटीटी रिलीज की घोषणा मेकर्स की तरफ से कर दी जाती है। बॉर्डर 2 के मामले में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिलेगा।

अभी इस मूवी की रिलीज को 21 दिनों का समय बीता है। इस आधार पर अनुमान लगाया जाए तो बॉर्डर 2 को अब से करीब एक महीने बाद ओटीटी पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया जा सकता है। ऐसे में अगर आप बॉर्डर 2 की ओटीटी रिलीज की राह देख रहे हैं तो अभी आपको थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा।

2026 की बहुचर्चित फिल्मों में बॉर्डर 2 का नाम शामिल रहा और जितनी इसकी चर्चा थी, मूवी उतनी ही फैंस की उम्मीदों पर खरी उतरी है। कमर्शियल तौर पर बॉर्डर 2 काफी सफल रही है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार देशभक्ति फिल्म बॉर्डर 2 ने अब तक 346 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है, जबकि इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 465 करोड़ के आस-पास हुई है।

'संगमरमर' का टीजर रिलीज, जिम्मेदारी और इंतजार की दिखेगी अनोखी कहानी

बॉलीवुड | चर्चा

सूरज बड़जात्या के राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत वेब सीरीज 'संगमरमर' का टीजर आज रिलीज हो गया है। यह एक पारिवारिक ड्रामा प्रेम जो कर्तव्य और अटूट रिश्तों की थीम पर आधारित है। जियो हॉस्टार पर स्ट्रीम होने वाले इस शो के टीजर में जानिए क्या है खास?

टीजर में एक कपल के बारे में दिखाया गया है, जो एक-दूसरे के प्यार में खोए हुए हैं और अपनी जिंदगी में काफी खुश हैं। सूरज बड़जात्या की कहानियों की खासियत से प्रेरित, %संगमरमर% भारतीय परिवारों के आपसी संबंधों और रिश्तों को लंबे समय तक बनाए रखने वाली खामोश ताकत को दिखाती है। जियो हॉटस्टार ने टीजर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा, 'ये कहानी प्यार की नहीं, जिम्मेदारी और इंतजार की है!'

विक्रम घई द्वारा निर्देशित इस

सीरीज में शीन सविता दास और सौरभ राज जैन मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही सीरीज में स्मिता बंसल, खालिद सिद्दीकी, फारूक सईद, जया ओझा और अविनाश वधवानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मेकर्स के मुताबिक, यह कहानी एक महिला के व्यक्तिगत सफर को दर्शाती है। इसमें रोमांस, जिम्मेदारी और समय व दूरी की कसौटी पर खरे उतरने वाले भावनात्मक बंधनों पर जोर दिया गया है। टीजर से पता चलता है कि यह कहानी अनकहे भावों, मौन और प्यार के इर्द-गिर्द बुनी गई है। सीरीज की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। सीरीज जल्द ही जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम करेगी।

अजब-गजब | आखिर इस बात का राज है क्या?

इस गांव में कभी नहीं होती बारिश! ना बादल ना बरसात, फिर भी होती है बढ़िया खेती

कल्पना कीजिए कि आप ऐसी जगह पर रहते हों जहां बारिश आपके पैरों के नीचे हो रही हो, लेकिन आपका गांव पूरी तरह सूखा रहे। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि हकीकत है। यमन की राजधानी सना के पास स्थित अल हुतैब गांव दुनियाभर के वैज्ञानिकों, यात्रियों और भूगोलविदों को हैरान करता है। इस गांव की सबसे खास बात यह है कि यहां कभी बारिश नहीं होती।

अल हुतैब समुद्र तल से करीब 3200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आमतौर पर बारिश वाले बादल 1500 से 2000 मीटर की ऊंचाई पर बनते हैं और वहीं बरसते हैं। लेकिन इस गांव के मामले में बादल गांव से नीचे जमा होते हैं और घाटियों में बारिश करते हैं। यानी गांव के लोग अपने घरों के नीचे गरज-चमक और तेज बारिश का नजारा देखते हैं, जबकि उनका इलाका सूखा रहता है। यह दुनिया की उन चुनिंदा जगहों में से एक है जहां लोग सचमुच मौसम से ऊपर रहते हैं।

यहां बारिश न होने के बावजूद मौसम काफी कठिन है। अधिक ऊंचाई और पतली हवा के कारण सुबह बेहद ठंडी होती है। जैसे-जैसे सूरज ऊपर चढ़ता है, तापमान तेजी से बढ़ता है और दोपहर में काफी गर्मी हो जाती है। चूंकि गांव बादलों की परत से ऊपर है, इसलिए यहां सीधी और तेज धूप पड़ती है। अल हुतैब केवल अपने अनोखे मौसम के लिए ही नहीं, बल्कि धार्मिक महत्व के कारण भी प्रसिद्ध है। यह बोहरा समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। यहां तीसरे दाई अल मुतलाक सैयदना हातिम बिन इब्राहिम अल हमीदी की दरगाह स्थित है।भारत, पाकिस्तान और दक्षिण एशिया के अन्य हिस्सों से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां खेती भी सफलतापूर्वक की जाती है। ग्रामीण पहाड़ी ढलानों पर सीढ़ीदार खेती करते हैं। सीधे बारिश न होने के बावजूद वे पारंपरिक तरीकों से पानी इकट्ठा करते हैं। जैसे ओस, धुंध और पहाड़ों से बहकर आने वाला पानी, यह इलाका खासतौर पर उच्च गुणवत्ता वाली यमनी कॉफी के लिए प्रसिद्ध है, जिसे उसके बेहतरीन स्वाद और सुगंध के कारण दुनियाभर में पसंद किया जाता है।

गजब! इस पेड़ का चक्कर लगाने से टूटने से बच जाता है रिश्ता

बिहार में मधुबनी जिले के मंगरौनी में आम और महुआ का एक जुड़वा पेड़ है। यहां प्रेमी जोड़े या शादीसुधा के रिश्तों, जिसमें अनबन होती है तो यहां 3 बार पेड़ के परिक्रमा करने से रिश्ते ठीक हो जाते हैं। यहां की ऐसी मान्यता है कि लोग इस परंपरा को आज भी मानते चले आ रहे हैं। वहीं, यहां के पुजारी बताते हैं कि वकील, जज के पास भी तलाक और रिश्तों में खटास वाले लोग आते हैं तो वह भी यहां चक्कर लगाने की सलाह देते हैं। आइये जानते हैं इस जुड़वा पेड़ की मान्यता के बारे में। मधुबनी जिला स्थित मंगरौनी गांव में एकादश रुद्र है। उसी परिसर के आगे जुड़वा पेड़ है। जहां की मान्यता भी बड़ी गजब है। इसे लोग हैरान करने वाली मान्यता भी कहते हैं। बता दें कि यह जुड़वा पेड़ 80 सालों से अधिक समय का है। आम और महुआ की जड़और तना भी आपस में जुड़े हुए हैं। जहां हर मिथिलांचल और दूर दराज के लोग आकर तीन चक्कर लगाते हैं, मान्यता है कि प्रेमी जोड़े, शादीशुदा कपल, न्यू मेरिड हो या किसी भी रिश्ते में खटास, अनबन और परिवार नहीं बस रहा हो जैसी परेशानी होती है तो यहां 3 बार परिक्रमा करते है। यहां की धार्मिक मान्यता अनोखी मानी जाती है। पुजारी के अनुसार जज-वकील भी यहां पूजा करने की सलाह देते हैं। यहां के पंडित गिरिधर झा शास्त्री ने बताते हैं कि यहां हजारों लोगों का घर परिवार तलाक होने से बचा है। पंडित ने बताया कि वह जब से यहां हैं, ऐसा ही देखने को मिलता है कि यहां लोग शादी के बाद 3 फेरे लगाते हैं। इसके साथ ही पूजा पाठ विधि विधान से करते हैं। इसके अलावा मिथिला में लड़का और लड़की दोनों अलग-अलग आम और महुआ पेड़ की पूजा करते हैं, जिससे ग्रह दोष में निवारण होता है। यहां दोनों पेड़ जुड़े हुए हैं। यहां सभी जोड़े एक साथ फेरे लेते हैं। यहां की सबसे अनोखी बात तो यह है कि पति-पत्नी में तलाक या रिश्तों में अनबन को लेकर जो मामले कोर्ट में जाते हैं। वहां भी जानकारी के अनुसार मंगरौनी में जाने के लिए जज और वकील सलाह देते हैं कि दोनों एकबार यहां जाएं। ताकि रिश्तों में प्रेम होने की जो भी गुंजाइश बची है। वो सफल हो। हालांकि ऐसे कई केस हैं जो फैमिली कोर्ट में आए और यहां आने से मामले सुलझ गए। परिवार खुशी से अपने घर गया ऐसा पंडित जी बताते है।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पर बढ़ा सियासी तनाव

» कांग्रेस ने भाजपा को घेरा
» विपक्ष बोला- नेता प्रतिपक्ष के सवालों को जवाब दे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा के विशेषाधिकार प्रस्ताव पर तीखा विरोध किया। केसी वेणुगोपाल ने राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा के विशेषाधिकार प्रस्ताव पर पलटवार करते हुए उन्हें राहुल के भाषण का जवाब देने की चुनौती दी है। वेणुगोपाल ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर संसदीय फुटेज का दुरुपयोग करने और असंसदीय आचरण का भी आरोप लगाया।कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भाजपा को कल लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस भाषण पर जवाब देने की चुनौती दी है, जिसमें उन्होंने निर्मला सीतारमण द्वारा उनके सवालों का जवाब न देने की आलोचना की थी।

उन्होंने किरेन रिजिजू पर संसदीय फुटेज को गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया और संसदीय कार्य मंत्री के इस कृत्य को असंसदीय बताया। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री रिजिजू के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कल कहा था कि लोकसभा में भाजपा सदस्य कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ सदन को गुमराह करने और निराधार बयान देने के लिए विशेषाधिकार नोटिस भेजेंगे। उधर लोकसभा में अपने खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव की संभावना पर राहुल गांधी मीडिया पर भड़क गए, उन्होंने मीडिया पर भाजपा के लिए काम करने और देश का अपमान करने का आरोप लगाया। यह प्रस्ताव उनके उस बयान के बाद लाया जा रहा है जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर भारत माता को बेचने का आरोप लगाया था।

नेता प्रतिपक्ष ने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए : वेणुगोपाल

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि मैं उन्हें राहुल गांधी के भाषण का जवाब देने की चुनौती देता हूं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कल अपने भाषण में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। निर्मला सीतारमण ने उनके सवालों का जवाब नहीं दिया। सदन स्थगित होने के बाद किरेन रिजिजू ने एक वीडियो ट्वीट किया। उन्होंने संसद का वीडियो कैसे हासिल किया? संसदीय कार्य मंत्री अब असंसदीय हो गए हैं। उनका कर्तव्य संसद के सुचारू संचालन के लिए विपक्ष के साथ समन्वय करना है, लेकिन वे खुद ये सब कर रहे हैं।

मीडिया पर भड़के राहुल, बोले- निष्पक्ष होकर काम करने की कोशिश कीजिए

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मौजूदा संसद सत्र के दौरान अपने खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव की संभावना से जुड़े सवालों को लेकर मीडिया के कुछ वर्गों पर जमकर निशाना साधा। सरकार द्वारा विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की योजना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गांधी ने कहा कि आप पूरी तरह से भाजपा के गुलाम नहीं हैं। कम से कम थोड़ा तो निष्पक्ष होकर काम करने की कोशिश कीजिए, यह बेहद शर्मनाक है, हद हो गई है। आप जिम्मेदार लोग हैं। आप मीडियाकर्मी हैं, निष्पक्ष रहना आपकी जिम्मेदारी है। आप सिर्फ उनकी दी हुई बात को मानकर अपना पूरा कार्यक्रम नहीं चला सकते, आप इस देश का अपमान कर रहे हैं। राहुल गांधी ने डील पर कहा कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार ने व्यापार समझौते पर बातचीत की होती, तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत को बराबरी का दर्जा देने के लिए कहती। उन्होंने हालिया व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए कहा, आपने भारत को बेच दिया है। क्या आपको भारत को बेचने में शर्म नहीं आती? आपने हमारी माता, भारत माता को बेच दिया है।

सरकार ने हड़ताल को दबाने की कोशिश की : संदोष

» ट्रेड यूनियनों के भारत बंद को सीपीआई का समर्थन
» राहुल गांधी के बयानों का पूर्ण समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के सांसद पी. संदोष कुमार ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार की श्रम संबंधी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान करने वाले ट्रेड यूनियनों को पूरा समर्थन देगी। कुमार ने कहा कि सीपीआई श्रम संहिता के कार्यान्वयन का विरोध कर रहे लाखों श्रमिकों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने हड़ताल को दबाने का प्रयास किया है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूनाइटेड एक्शन काउंसिल ऑफ वर्कर्स अभी भी मजबूत है।

पी संदोष कुमार ने कहा कि सीपीआई श्रम संहिता को वापस लेने के विरोध में लाखों भारतीय श्रमिकों की आम हड़ताल का पूर्ण समर्थन करती है। हम श्रमिक वर्ग को अपना समर्थन देते हैं। सरकार ने इस हड़ताल को दबाने की हर संभव कोशिश की है, लेकिन यूनाइटेड एक्शन काउंसिल ऑफ वर्कर्स बहुत मजबूत है। सीपीआई सांसद ने यह भी कहा कि वे इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों का समर्थन करते हैं। केंद्र सरकार की विदेश और आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए कुमार ने देश के प्रमुख कार्यालयों के नेतृत्व पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी के बयानों का पूर्ण समर्थन करता हूं... कितनी बड़ी त्रासदी है! देश का असली प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और वाणिज्य मंत्री कौन है? पीयूष गोयल, एस. जयशंकर और प्रधानमंत्री मोदी ट्रंप के बराबर व्यवहार कर रहे हैं। यानी ट्रंप ही भारत के विदेश मंत्री, वाणिज्य मंत्री और प्रधानमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं। यह आज के समय की त्रासदी है। हमें राष्ट्र की गरिमा को बनाए रखना होगा।

विदेशी-विरोधी के नाम पर निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा

» पुणे में बंगाली मजदूर की हत्या पर भड़कीं बंगाल की सीएम ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाराष्ट्र के पुणे में काम कर रहे पुरुलिया के 24 वर्षीय प्रवासी मजदूर सुखेन महतो की हत्या पर गहरा सदमा और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना को घृणा अपराध बताते हुए आरोप लगाया कि पीड़ित को उसकी भाषा और पहचान के कारण निशाना बनाया गया था और ऐसे हमलों के लिए बढ़ते विदेशी-विरोधी माहौल को जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, विदेशी-विरोधी भावना को हथियार बनाकर निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

पोस्ट में लिखा कि मैं दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग करता हूं। सुखेन के परिवार से मैं कहना चाहता हूं कि इस असहनीय दुख की घड़ी में बंगाल उनके साथ खड़ा है। न्याय दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। भाजपा नेता दिलीप घोष ने सरकार पर राज्य में हिंदुओं की सुरक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों और विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमलों का आरोप लगाया। आज बंगाल में जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, जब हम अपने कार्यक्रम आयोजित करते हैं, तो पुलिस हमारे झंडे उतार देती है।

परभणी में यूबीटी के मुस्लिम मेयर पर रार

» भाजपा ने उद्धव ठाकरे पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। परभणी महाराष्ट्र का एकमात्र नगर निगम बन गया है जहां उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मेयर का पद हासिल किया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना नेता संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूबीटी ने सैयद इकबाल को परभनी नगर निगम का महापौर बनाया है। मध्य महाराष्ट्र के पीसीएमसी में शिवसेना के सैयद इकबाल कांग्रेस के समर्थन से मेयर चुने गए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार तिरुमाला खिलारे को 13 वोटों के अंतर से हराया।

आज सुबह हुए मेयर चुनाव में सैयद इकबाल ने 39 वोट हासिल कर भाजपा के खिलारे को हराया, जिन्हें 26 वोट मिले। यह जीत शिवसेना (यूबीटी) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच हुए चुनाव पूर्व गठबंधन के कारण संभव हुई। कांग्रेस पार्षद गणेश देशमुख परभणी के उप मेयर चुने गए। इस परिणाम के साथ, परभणी महाराष्ट्र का एकमात्र नगर निगम बन गया है जहां उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मेयर का पद हासिल किया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रि या देते हुए शिवसेना नेता संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूबीटी ने सैयद इकबाल को परभनी नगर निगम का महापौर बनाया है। यह एक सोची-समझी चाल है क्योंकि मुस्लिम वोट बैंक यूबीटी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बड़ी संख्या में मुस्लिम समर्थन के बिना मुंबई में दो अंकों तक पहुंचना भी मुश्किल होता।

पार्टी अपने वैचारिक आधार से भटकी : संजय निरुपम

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने आरोप लगाया कि पार्टी अपने वैचारिक आधार से भटक गई है। उन्होंने पूछा कि पहले उन्होंने मुस्लिम वोटों के लिए हिंदुओं को धोखा दिया, और अब उन्होंने मराठी समाज की भी अवहेलना की है। क्या उद्धव ठाकरे अब भी बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों के सच्चे उत्तराधिकारी होने का दावा करेंगे? विपक्षी भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) की महापौर पद के उम्मीदवार के चयन की आलोचना करते हुए उस पर मराठी मानुष (मराठी लोगों) की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राज्य भाजपा प्रवक्ता नवनाथ बान ने कहा कि उद्धव ठाकरे परभणी में औरंगजेब के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। वे चुनाव से पहले मराठी मानुष का नाम लेते हैं, लेकिन महापौर नियुक्त करने का समय आने पर मुस्लिम उम्मीदवार को मैदान में उतार देते हैं।

टी-20 विश्वकप में भारत की लगातार 10वीं जीत

» 47वीं बार छुआ 200 का आंकड़ा, नामीबिया को 93 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नामीबिया को 93 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने 2024 टी20 वर्ल्डकप से लेकर अब तक लगातार 10वीं जीत दर्ज करते हुए इतिहास रचा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने ईशान किशन (61) और हार्दिक पांड्या (52) की शानदार पारियों के दम पर नौ विकेट खोकर 209 रन बनाए। इसके जवाब में नामीबिया ने अच्छी शुरूआत मिलने के बावजूद 18.2 ओवर में 10 विकेट पर 116 रन ही बना सकी।

इसी के साथ भारत ने टी20 फॉर्मेट में रिकॉर्ड 47वीं बार 200 का आंकड़ा छुआ। वहीं, 29 बार 200 का आंकड़ा छूने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर है। न्यूजीलैंड ने 28 बार, जबकि ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने 25-25 बार ऐसा किया है। 2024 टी20 विश्वकप में भारत अजेय रहा था। उसने नौ में से आठ मैच जीते थे और एक मैच बिना टॉस के रद्द हुआ था। यानी लगातार आठ मैच उधर और दो मैच टीम इंडिया ने इस विश्वकप में जीते। इस मामले में भारत के बाद लिस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने साल 2024 में लगातार आठ मैच जीते थे, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने साल 2022 से 2024 के बीच इतने ही मुकाबलों में जीत हासिल की। इंग्लैंड ने साल 2010 से 2012 के बीच लगातार सात टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले जीते, जबकि भारतीय टीम साल 2012 से 2014 के बीच लगातार सात मैच अपने नाम कर चुकी थी। 93 रन से जीत टी20 वर्ल्ड कप में रनों के अंतर से भारत की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम इंडिया ने साल 2012 में इंग्लैंड के विरुद्ध कोलंबो में 90 रन से जीत दर्ज की थी।

अंक तालिका में स्कॉटलैंड -इटली से भी नीचे खिसका इंग्लैंड

नई दिल्ली। इटली ने नेपाल के खिलाफ टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज की, लेकिन इसका सबसे ज्यादा नुकसान इंग्लैंड को हुआ। इंग्लैंड की टीम ग्रुप सी की अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गई है। वहीं इटली की जीत से इंग्लैंड के लिए सुपर आठ चरण की डगर मुश्किल हो चली है। इंग्लैंड को ग्रुप चरण में अब शेष दो मैच स्कॉटलैंड और इटली के खिलाफ खेलने हैं। आंकड़ों में इन दोनों टीमों की तुलना में इंग्लैंड का पलड़ा भारी है, लेकिन टी20 में कभी भी कोई टीम उलटफेर कर सकती है। ऐसे में अगर एक भी मैच में इंग्लैंड को हार मिली तो उसके लिए अगले दौर में जगह बना पाना कठिन हो सकता है।

यूपी विस में सदन में सपा-भाजपा में तकरार

बेरोजगारी-आरक्षण पर विपक्ष ने योगी सरकार को घेरा, हंगामें के बीच कुछ देर के लिए उठकर चले गए अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा में बजटसत्र के दौरान शुक्रवार को भी सदन हंगामेदार रहा। बेरोजगारी-आरक्षण को लेकर विपक्ष ने भाजपा की योगी सरकार पर करारा हमला बोला। सपा व भाजपा में चल रही तकरार के बीच विधानसभा अध्यक्ष उठकर चले गए।

सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के सवालों का जवाब देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यूपीपीएससी व एसएससी की जितनी भी नियुक्तियां होती हैं। इसका पूरा कैलेंडर जारी किया जाता है जिसे 2026 के लिए अभी जारी किया जा चुका है। 2017 के बाद से अब तक 47,000 पदों पर नियुक्ति हो चुकी हैं जिसमें आरक्षण के नियमों का पालन किया जा रहा है। इसके बाद सदन में हंगामा हो गया जिस पर विधानसभा अध्यक्ष कुछ देर के लिए उठकर चले गए। सपा विधायक ने बेरोजगारी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा भाजपा को युवाओं की तकलीफ सुनने से परेशानी होती है।

विकसित भारत जी राम जी योजना से आएगी खुशहाली : केशव

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बजट सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले कहा कि कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान खोखला है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के जीवन में कोई बदलाव नहीं आया है जबकि विकसित भारत जी राम जी योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में खुशहाली आएगी। कांग्रेस आज मनरेगा बचाओ अभियान प्रारंभ कर रही है।

शंकराचार्य पर सदन बना अखाड़ा

विधान परिषद को शंकराचार्य के मुद्दे पर अखाड़ा बन गई। विपक्ष ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को प्रयागराज माघ मेले में स्नान से रोके जाने और उनसे प्रमाणपत्र मांगे जाने को अपमानजनक बताया। इस पर सत्ता पक्ष ने सपा शासनकाल में उन पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाते हुए पलटवार किया।राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सपा सदस्य मुकुल यादव ने कहा कि शंकराचार्य पूरे देश में सम्मानित हैं, फिर भी माघ मेले में उनके साथ अभद्रता हुई। आरोप लगाया कि तहसीलदार स्तर के अधिकारी ने उनसे शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा। नौ दिन धरने पर रहने के बावजूद कोई अधिकारी उनसे मिलने तक नहीं पहुंचा। इसके बाद वे बिना स्नान लौट गए।

प्रदेश का युवा खून के आंसू रो रहा : डॉ. रागिनी सोनकर

विधानसभा में सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने बेरोजगारी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का युवा खून के आंसू रो रहा है। न तो उसकी शादी हो पा रही है। न सो पा रहा है और न रो पा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों को युवाओं की पीड़ा सुनने से कष्ट होता है। उन्होंने कहा कि आजकल आयोग की ओर से जो रिक्तियां दी जा रही हैं। उसमें गलत जानकारी दी जाती है। एक युवा जो परीक्षा की तैयारी करता है उसे गलत जानकारी दी जाती हैं तो एक परीक्षार्थी कैसे तैयारी करेगा। सरकार जानकारी दे कि कितने पद रिक्त हैं और इन्हें कब तक भरेगी।उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में परीक्षा होने से लेकर नियुक्ति तक तीन-तीन साल का समय लग जाता है ऐसे में युवाओं की जिंदगी से तीन से चार साल कम हो जाते हैं। इससे पहले कानून व्यवस्था के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को विधानमंडल के दोनों सदनों में हंगामा हुआ। विधानसभा में सरकार के जवाब से असंतुष्ट सपा विधायकों ने नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। विधान परिषद में भी सरकार की ओर से दिए गए तथ्यों से असहमत सपा के सभी सदस्यों ने बहिर्गमन किया। विधानसभा में सपा विधायक रागिनी सोनकर ने प्रयागराज में खटिक समाज के बच्चों के डूबने, सरधना विधायक अतुल प्रधान ने उनके विधानसभा क्षेत्र में मां की हत्या और बेटी के अपहरण का मुद्दा उठाया। मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं होने और प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाया। सपा विधायकों की ओर से उठाए गए मुद्दे पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रयागराज में जिसे पुलिस की गोली लगी है, उसके खिलाफ 31 मुकदमे दर्ज हैं। उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई है।

तेलंगाना निकाय चुनाव में कांग्रेस की आंधी

» बीजेपी ने भी चौंकाया, बीआरएस दूसरे नंबर पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना निकाय चुनाव में अब तक 423 नगर नगरपालिका वार्डों के परिणाम घोषित हो चुके हैं, जिसमें कांग्रेस बंपर जीत की ओर बढ़ती नजर आ रही है। कांग्रेस 224 नगरपालिका सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। वहीं, बीजेपी सिर्फ 37 सीट ही हासिल कर पाई है। भारत राष्ट्र समिति ने 131 सीटें अभी तक जीती हैं। तेलंगाना में 116 नगर पालिकाओं और 7 नगर निगमों के चुनाव के लिए आज काउंटिंग हो रही है. मतगणना राज्य भर के 123 केंद्रों पर हो रही है।

तेलंगाना में इस बार सत्तारूढ़ कांग्रेस, विपक्षी भारतीय जनता पार्टी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। इन चुनावों के रिजल्ट से साफ हो जाएगा कि राज्य में किस पार्टी की लहर है। मतों की गिनती में समय लगने की संभावना है, क्योंकि मतदान के दौरान मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था। डाक मतपत्रों की गिनती सबसे पहले शुरू की गई। वोटिंग के लिए सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है. कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मतगणना केंद्रों पर लगभग 12,000 पुलिस कर्मियों और रैपिड एक्शन टीम को तैनात किया गया है।

मतगणना कक्ष के भीतर केवल मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक, उम्मीदवार और उनके चुनाव एवं मतगणना एजेंट ही मौजूद हैं। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने कहा कि सभी मतगणना केंद्रों और 'स्ट्रांग रूम के बाहर 'वेबकास्टिंग की जा रही है'। चुनाव में 73 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 12 फरवरी को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेताओं राहुल गांधी एवं के सी वेणुगोपाल से मुलाकात की और उन्हें बताया कि कांग्रेस को शहरी चुनावों में अच्छे परिणाम मिलेंगे। कांग्रेस और पहले दो कार्यकाल तक राज्य पर शासन कर चुकी बीआरएस, दोनों के विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभरने की उम्मीद में भाजपा ने निकाय चुनाव में जोरदार प्रचार किया।

बनारस कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी

» जिला जज को मिला ई-मेल, खाली कराया गया परिसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब जिला जज के ई-मेल पर कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसकी जानकारी मिलते ही बार पदाधिकारियों ने बैठक की। वहीं कचहरी परिसर में गहमागहमी का माहौल हो गया। रात 1.30 बजे ई-मेल पर धमकी भरा मैसेज आने की जानकारी मिली है। जिला जज को ई-मेल पर मिली धमकी के बाद कचहरी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार और कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा फोर्स और बम निरोधक दस्ते के साथ कचहरी में चेकिंग अभियान चला रहे हैं। वहीं, अधिवक्ताओं ने भी अपने स्तर से चैंबर और संदिग्ध सामानों की जांच शुरू कर दी है। उधर, साइबर सेल की ओर से ई-मेल की जांच की जा रही है। सेंट्रल बार अध्यक्ष प्रेमप्रकाश सिंह गौतम ने बताया कि जिला जज ने दोनों बार के अध्यक्ष महामंत्री को अपने चैंबर में बुलाकर जानकारी दी कि उनके यहां ई-मेल आया है, जिसमें डे? बजे आतंकवादी संगठनों ने कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी दी है। ऐसे में सभी मामलों में तारीखें दी जा रही हैं और कचहरी खाली करने का अनुरोध किया गया है।

स्टालिन ने महिलाओं के लिए खोला खजाना

खाते में जमा किए 5-5 हजार रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने सरकारी महिला लाभार्थी योजना के तहत 1.31 करोड़ महिला लाभार्थियों के खाते में पांच-पांच हजार रुपये जमा किए हैं। स्टालिन ने इसके साथ ही यह भी घोषणा की कि अगर आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) पार्टी सत्ता में आती है तो वे मासिक सहायता दोगुनी करके 2,000 रुपये कर देंगे।

उन्होंने बताया कि कलैगनार महिला पात्रता योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 5,000 रुपये जमा कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'आपको आज सुबह 5,000 रुपये मिल गए होंगे। मैंने यह राशि इसलिए प्रदान करने का निर्णय लिया है क्योंकि कुछ स्वार्थी तत्व आगामी चुनाव का हवाला देकर योजना को स्थगित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने 'एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, 'इसलिए, महिलाओं को मिलने वाली मासिक वित्तीय सहायता से वंचित करने के

प्रयास का मुकाबला करने के लिए उन्होंने फरवरी से तीन महीने तक यह राशि प्रदान करने तथा इसके अलावा गर्मियों के दौरान उनके खर्चों को पूरा करने के लिए 2,000 रुपये भी प्रदान करने का निर्णय लिया है। स्टालिन ने संदेश में कहा, 'इतना ही नहीं, छब्ब के इस साल सत्ता में वापस आने के बाद 1,000 रुपये की मासिक राशि बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दी जाएगी। डीएमके अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, 'मैं बहनों से अपील करता हूं कि वे अपने बच्चों की शिक्षा संबंधी जरूरतों, दवाइयों या अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए इस राशि का विवेकपूर्ण उपयोग करें और उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी सत्ता में वापस आएगी।

केजरीवाल और सिसोदिया पर 27 को कोर्ट सुनाएगी फैसला

» आबकारी नीति मामले में कुल 23 आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के बहुचर्चित आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय करने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और सभी आरोपियों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रखा। अब इस मामले में 27 फरवरी को अदालत अपना फैसला सुना सकती है। अदालत के आगामी आदेश पर अब सभी की निगाहें टिकी हैं।

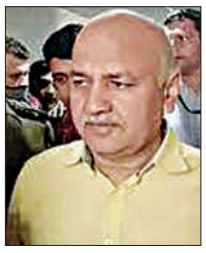

सीबीआई ने अदालत में दावा किया कि पहली चार्जशीट और पूरक आरोप पत्र में साजिश के पर्याप्त आधार मौजूद हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत कुल 23 आरोपियों की ओर से आरोपों को निराधार बताया गया है। सीबीआई का आरोप है कि साउथ लॉबी ने दिल्ली की आबकारी मामला अपने पक्ष में कराने के लिए 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी।

अरविंद केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील ने तर्क दिया कि उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियां निभा रहे थे और उन्हें किसी भी तरह की रिश्वत मांगने या लेने से जोड़ने वाला कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि केजरीवाल का नाम पहली चार्जशीट और तीन पूरक चार्जशीट में नहीं था, बल्कि चौथी पूरक चार्जशीट में जोड़ा गया, जो पहले की चार्जशीट का दोहराव है। बहस के दौरान अप्रूवर बने राघव मगुंटा के बयान का भी जिक्र हुआ। बचाव पक्ष ने कहा कि ऐसा कोई सीधा लिंक नहीं है जिससे साबित हो कि केजरीवाल ने किसी से पैसे लेने को कहा था।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार** : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष** : 0522- 4078371 | **Email** : daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**